पाठ 17

और भी दूँ

आइए सीखें - ■कविता का लय, ताल के साथ पाठ करना। ■राष्ट्र प्रेम एवं त्याग की भावना का विकास। ■शब्द प्रयोग। ■पर्यायवाची। ■अलंकारों की समझ।

मन समर्पित, तन समर्पित,
और यह जीवन समर्पित।
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

माँ तुम्हारा ऋण बहुत है, मैं अकिंचन,
किन्तु इतना कर रहा, फिर भी निवेदन।
थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब भी,
कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण।
गान अर्पित, प्राण अर्पित
रक्त का कण-कण समर्पित।
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

माँज दो तलवार को, लाओ न देरी,
बाँध दो कसकर, कमर पर ढाल मेरी,
भाल पर मल दो, चरण की धूल थोड़ी,
शीश पर आशीष की छाया घनेरी,
स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण-क्षण समर्पित।
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

शिक्षण संकेत - ■यह कविता बच्चों में राष्ट्र भक्ति के भाव जगाने के लिए है। ■बच्चों को यह बताइए कि यह कविता हमारी ओर से मातृभूमि के लिए सम्बोधन करते हुए लिखी गई है। ■यह भी बताइए कि हम पर मातृभूमि का कितना बड़ा ऋण है जो तन-मन जीवन सभी समर्पित कर देने पर भी पूरा नहीं हो सकता।

तोड़ता हूँ मोह का बंधन, क्षमा दो,
गाँव मेरे, द्वार घर-आँगन क्षमा दो,
आज सीधे हाथ में तलवार दे दो,
और बाएँ हाथ में ध्वज को थमा दो।
ये सुमन लो, यह चमन लो,
नीड़ का तृण-तृण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

रामावतार त्यागी

रामावतार त्यागी हिन्दी के लोकप्रिय कवियों में से एक हैं। उन्होंने बच्चों के लिए कथा तथा बड़ों के लिए कई कविताएँ लिखी हैं। उन्हें 'मैं दिल्ली हूँ' पुस्तक के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए -

समर्पित	-	ऋण	-	अकिंचन	-
निवेदन	-	भाल	-	शीश	-
माँज दो तलवार	-	आशीष	-	घनेरी	-
मोह	-	सुमन	-	चमन	-
ध्वज	-	नीड़	-	तृण	-

बोध प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) कवि मातृभूमि को क्या-क्या समर्पित करना चाहता है?

(ख) कवि अपने सर्वस्व समर्पण के बाद भी संतुष्ट क्यों नहीं है?

(ग) कवि क्षमा याचना क्यों कर रहा है?

(घ) कविता का मुख्य सन्देश क्या है?

प्रश्न 2. निम्नलिखित भाव कविता की जिन पंक्तियों से प्रकट होते हैं उन पंक्तियों को लिखिए।

(क) मोहमाया के बंधन को तोड़ना।

(ख) सम्पूर्ण आयु को समर्पण करना।

(ग) बलिदान के लिए तत्परता।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

(क) प्रस्तुत कविता का मुख्य भाव क्या है?

(1) मातृभूमि के प्रति आदर।

(2) मातृभूमि के लिए सर्वस्व समर्पण की चाह।

(3) मातृभूमि की महानता का गुणगान।

(4) मातृभूमि से क्षमा याचना।

(ख) कवि अपने जीवन, घर-परिवार और गाँव से क्षमा याचना करता है क्योंकि वह -

(1) इनके प्रति दायित्व निर्वाह नहीं करना चाहता।

(2) इनकी अपेक्षा देश के प्रति दायित्व निर्वाह को महत्वपूर्ण मानता है।

(3) इनके प्रति दायित्व निभाने में स्वयं को असमर्थ पाता है।

(4) इनसे छुटकारा पाना चाहता है।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध उच्चारण कीजिए -

ऋण, स्वीकार, माँज, बाँध, शीश, आशीष, तृण।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं लेखन कीजिए -

समर्पित	अर्पित	गर्वित	हर्षित	धर्म
प्राण	त्राण	प्रभाव	द्रव	क्रम
नम	चक्र	ताम्र	शुक्र	ध्रुव
ट्रक	ट्रंक	ड्रम	राष्ट्र	ड्रामा

प्रश्न 3 निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

समर्पित, आँगन, ध्वज, आशीष।

प्रश्न 4. इस कविता से अनुप्रास अलंकार वाली पंक्तियाँ छाँट कर लिखिए।

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

माँ तुम्हारा..............................,

........................फिर भी निवेदन।

थाल में लाऊँ............................,

कर दिया.........................वह समर्पण

प्रश्न 6. नीचे लिखे शब्दों के पर्यायवाची दी गई वर्ग पहेली से छाँटकर लिखिए -

फूल	....	....	....
पृथ्वी	....	....	....
माथा	....	....	....
खून	....	....	....
गृह	....	....	....

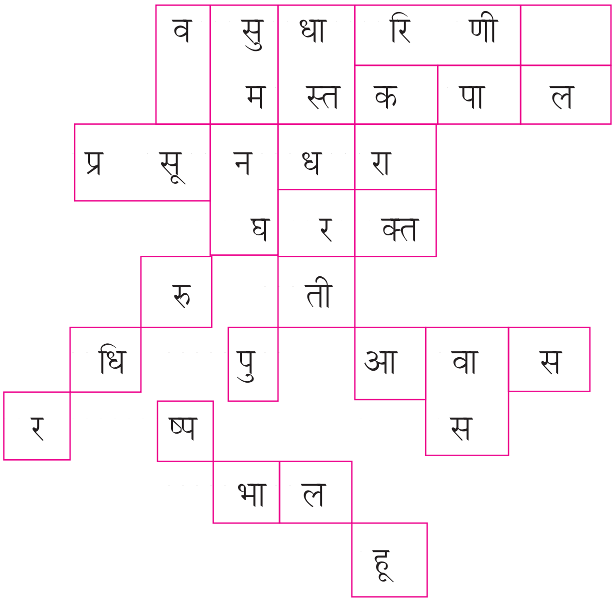

योग्यता विस्तार -

1. देश प्रेम से सम्बन्धित अन्य कवियों की रचनाएँ लाकर कक्षा में सुनाइए।
2. देश-प्रेम को प्रदर्शित करने वाले चित्र अपनी कॉपी में चिपकाए।
3. देश प्रेम की कविताएँ संग्रहीत कीजिए।

> माँ के बलिदानों का प्रत्युपकार कोई बेटा नहीं कर सकता, चाहे वह भूमण्डल का स्वामी ही क्यों न हो ।